कोहमिा वार सीमेट्री

प्रलिमि्स के लयि:

कोहमिा वार सीमेट्री, द्वतिीय वशि्व युद्ध, कॉमनवेल्थ वॉर ग्रेव्स कमीशन, भारतीय राष्ट्रीय सेना

मेन्स के लयि:

द्वतिीय वशि्व युद्ध, द्वतिीय वशि्व युद्ध में उत्तर पूर्व भारत का महत्त्व

चर्चा में क्यों?

हाल ही में यूनाइटेड कगिडम स्थति कॉमनवेल्थ वॉर ग्रेव्स कमीशन (Commonwealth War Graves Commission- CWGC) ने असामान्य वशिषताओं वाली पाँच साइट्स को सूचीबद्ध कयि है। ये स्थल प्रथम वशि्व युद्ध और द्वतिीय वशि्व युद्ध से जुड़े हुए हैं।

- नगालैंड की राजधानी कोहमिा को कोहमिा युद्ध कब्रस्तिान/कोहमिा वार सीमेट्री (Kohima War Cemetery) की वजह से सूची में शामलि कयि गया है।

कॉमनवेल्थ वॉर ग्रेव्स कमीशन:

- CWGC छह सदस्य-राज्यों (ऑस्ट्रेलयि, कनाडा, भारत, न्यूज़ीलैंड, दक्षणि अफ्रीका, यूनाइटेड कगिडम) का एक अंतर-सरकारी संगठन है जो इस बात को सुनश्चिति करता है कि युद्ध में मारे गए पुरुषों और महलिाओं को कभी नहीं भुलाया जाएगा।
- इसका गठन वर्ष 1917 में इंपीरयिल वॉर ग्रेव्स कमीशन के रूप में कयि गया था। हालाँकि वर्तमान नाम वर्ष 1960 में दयि गया था।
- इसका मुख्यालय मेडेनहेड, यूके में स्थति है।

प्रमुख बदिु

- **कोहमिा वार सीमेट्री के बारे में**:
  - नगालैंड की राजधानी कोहमिा में संभवत: वशि्व का एकमात्र कब्रस्तिान/सीमेट्री है जहाँ टेनसि कोर्ट है।
  - **कोहमिा युद्ध सीमेट्री सीडब्ल्यूजीसी** द्वारा महाद्वीपों में बनाए गए 23,000 वशि्व युद्ध की कब्रों में से एक है।
- **सीमेट्री का गठन:**
  - 3 अप्रैल, 1944 को 15,000 सैनकिों की **एक जापानी सेना ने कोहमिा और उसके 2,500 मज़बूत सैनकि बलो** पर हमला कयि था।
  - इसने दो सप्ताह की कठनि, खूनी लड़ाई का नेतृत्त्व कयि था
  - इस घर के लॉन में एक टेनसि कोर्ट था जसिका उपयोग ब्रटिशि अधकिारी मनोरंजन के लयि करते थे।
  - बचे हुए रक्षकों ने अपने अंतमि स्टैंड के लयि तैयार गार्डन टेनसि कोर्ट के चारों ओर डेरा डाला। जैसे ही जापानी सेना हमला करने के लयि तैयार हुई उस पर एक राहत बल के प्रमुख टैंकों द्वारा हमला कयि गया और रक्षकों को बचाया गया इस प्रकार हमलावरों को पीछे धकेल दयि गया।
  - इस घटना के बावजूद जापानी सेना ने कोहमिा के लयि लड़ना जारी रखा और अंततः वह मई 1944 में पीछे हटने के लयि मजबूर हो गई।
  - जो लोग कोहमिा युद्ध में मारे गए थे उन्हें युद्ध के मैदान में ही दफनाया गया था, जो बाद में **एक स्थायी सीडब्ल्यूजीसी सीमेट्री** बन गया।
  - **डज़िाइनर कॉलनि सेंट क्लेयर ओक्स** ने **सीमेट्री** के डज़िाइन में टेनसि कोर्ट को शामलि कयि।
- **सूची में अन्य कब्रस्तिान (सीमेट्री):**
  - प्रथम वशि्व युद्ध **"क्रेटर सीमेट्री" -** फ्राँस में **पास डी कैलाइस क्षेत्र में ज़वी क्रेटर और लचिफील्ड क्रेटर।**
  - साइप्रस में **नकिोसयि (वेन्स कीप) सीमेट्री या "सीमेट्री इन नो मैन्स लैंड"**।

द्वतिीय वशि्व युद्ध में कोहमिा का महत्त्व

- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारतीय उप-महाद्वीप के केवल कुछ ही विशिष्ट स्थान जैसे- नगालैंड और उससे सटा मणिपुर शामिल थे।
- वर्ष 1944 में बर्मी जंगल में कड़ी लड़ाई के बाद इस क्षेत्र में जापानी सेना ने चिंदविन नदी को पारकर भारत में प्रवेश कर लिया था। उनकी लड़ाई 'फोर्टीन आर्मी' से हुई थी, जो राष्ट्रमंडल की सेनाओं से मिलकर बनी थी।
- यह आक्रमण दो प्रमुख बिंदुओं- इंफाल और कोहिमा पर हुआ था। यहाँ 'फोर्टीन आर्मी' की हार का मतलब था कि जापान, भारत पर और बड़ा हमला कर सकता था।
- कोहिमा की सामरिक स्थिति काफी महत्त्वपूर्ण थी, जो कि दीमापुर के जंगल के पहाड़ों से गुज़रने का उच्चतम बिंदु था और अब यह नगालैंड का वाणिज्यिक केंद्र है।
- दीमापुर के पतन का अर्थ था कि इंफाल में मौजूद सैनिकों को [सुभाष चंद्र बोस की भारतीय राष्ट्रीय सेना] के साथ लड़ने वाले जापानी सैनिकों की दया पर छोड़ देना।

//

द्वितीय विश्व युद्ध

- **परिचय**:
  - द्वितीय विश्व युद्ध वर्ष 1939-45 के बीच एक सशस्त्र विश्वव्यापी संघर्ष था।
  - 1 सितंबर, 1939 को जर्मनी के पोलैंड पर आक्रमण के छह साल और एक दिन बाद यह समाप्त हो गया, जिसने 20वीं सदी के दूसरे वैश्विक संघर्ष को जन्म दिया।
  - 2 सितंबर, 1945 को जब यह एक अमेरिकी युद्धपोत पर समाप्त हुआ, तब इसमें लगभग 60-80 मिलियन लोग शामिल हुए थे जो दुनिया की आबादी की लगभग 3% थी।
  - मरने वालों में अधिकांश साधारण नागरिक थे, जिनमें 6 मिलियन यहूदी भी शामिल थे, जो युद्ध के दौरान नाजी बंदी शिविरों में मारे गए थे।
- **प्रमुख प्रतिद्वंद्वी:**
  - **धुरी शक्तियाँ**- जर्मनी, इटली और जापान
  - **मित्र राष्ट्र**- फ्राँस, ग्रेट ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका, सोवियत संघ और कुछ हद तक चीन

स्रोत- द हिंदू

दृष्टि The Vision

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kohima-war-cemetery